ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष -24 | अगस्त - II - 2022 | अंक - 10 | माउण्ट आबू | Rs.-10

नारी सशक्तिकरण की प्रतीक बनेंगी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू : दादी रतनमोहिनी

राष्ट्रपति बनने पर संस्थान में खुशी, भेजा बधाई संदेश

नई दिल्ली। देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की जीत से ब्रह्माकुमारी संस्थान में खुशी का माहौल है। संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने बधाई दी। दादी ने कहा कि यह बेहद खुशी की बात है कि एक ऐसी महिला देश की राष्ट्रपति बनी हैं जिनकी आध्यात्मिक जीवनशैली, सकारात्मक सोच और श्रेष्ठ व्यक्तित्व है। वो देश के नागरिकों को प्रेरित तो करेंगी ही साथ ही देश में महिला सशक्तिकरण को मज़बूती प्रदान करेंगी। मैं उनकी जीत पर संस्थान के समस्त भाई-बहनों की ओर से शुभकामनाएं और बधाई देती हूँ। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर गुरूग्राम की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, ब्रह्माकुमारीज़ ओडिशा के मीडिया कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. नथमल, दिल्ली वसंत विहार सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. क्षीरा बहन, ब्र.कु. लीना बहन तथा ब्र.कु. विकास समेत कई लोगों ने बधाई दी व माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। गौरतलब है कि द्रौपदी मुर्मू ब्रह्माकुमारी संस्थान से सन् 2009 से जुड़ी हुई हैं। उनका जीवन संघर्षों से भरा रहा है। पर ऐसे में उन्होंने आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा अपने आप को सम्भाला और इस मुकाम पर पहुंचीं। देश की साधारण एक महिला किंतु उनका व्यक्तित्व, उनके विचार असाधारण हैं।

ब्रह्माकुमारीज़ सकारात्मक ऊर्जा का केन्द्र : भाजपा अध्यक्ष नड्डा

शांतिवन-आबू रोड। ब्रह्माकुमारी संस्थान के विशाल डायमण्ड हॉल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने कहा कि आज मुझे अत्यंत खुशी है कि इस संस्थान के मुख्यालय में आने का अवसर मुझे मिला। मैं ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञानसरोवर भी गया। मैं यहाँ दस वर्ष पहले भी आया था, उसके बाद कई बार आने का सौभाग्य मिला। इस दौरान उन्होंने कई पुरानी बातों को याद करते हुए कहा कि यहां से मेरे जीवन में जो परिवर्तन हुआ, उसका सुखद अनुभव मिला। बीजेपी अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास भाव से काम कर रही है और भारत को विश्व गुरू बनाने के लिए अग्रसर है। आज़ादी के अमृत महोत्सव के तहत संस्थान ने 15 हज़ार कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को जोड़ने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि एक लाख पच्चीस हज़ार जगह पर इस बार हमने योग किया। राजयोग के अभ्यास और योग से मन और शरीर दोनों मज़बूत होते हैं। ग्लोबल वार्मिंग हमारे अंदर भी असर करती है, इसके लिए राजयोग के माध्यम से संस्थान कार्य कर रहा है, जिससे लोगों में परिवर्तन हो रहा है। संस्थान ने वृक्षारोपण के कार्यक्रम में लाखों वृक्ष लगाए हैं। मैं संस्थान का आभारी हूँ कि मुझे यहां आने का मौका देते हैं। यहां से ऊर्जा लेकर मैं आगे पार्टी में उस ऊर्जा का संचार करता हूँ। उन्होंने आयोजकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि पार्टी के ट्रेनिंग कैम्प में इतनी बड़ी संख्या में पदाधिकारी आए, जिन्हें राजयोग को जानने का मौका मिला। इसके तहत सबके मन में सात्विकता आए, सद्भाव आए, समाज के विकास में हम सब जुड़ें, भारत उसमें महत्वपूर्ण भूमिका अदा करे और विश्व में शांति के लिए भारत योगदान दे। इस कार्यक्रम को संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी, अतिरिक्त महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई, कार्यकारी सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय भाई, ब्र.कु. शारदा बहन व ब्र.कु. प्रकाश भाई ने भी सम्बोधित किया। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह, प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, संगठन मंत्री चंद्रशेखर, राष्ट्रीय प्रवक्ता व सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सांसद देवजी पटेल, श्रीमति मल्लिका नड्डा, बीजेपी कार्यकर्ता समेत बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

- **शांतिवन पहुंचने पर हुआ भव्य स्वागत व सम्मान**
- **राजयोग मन और तन को करता है मज़बूत**

सम्मेलन : ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन में त्रिदिवसीय न्यायविदों के समागम में जुटे देशभर के प्रतिनिधि

परमात्मा का सानिध्य हो जाने से सबका होगा न्याय

शांतिवन। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की न्यायाधीश सुनीता यादव ने कहा कि जब हम न्यायिक प्रक्रिया के तहत होते हैं तो उस समय सही दिशा और सत्य न्याय की आवश्यकता होती है। परमात्मा का सानिध्य सही रूप में यदि हो जाए तो हर किसी के साथ सही न्याय होगा। परमात्मा का दरबार और स्थूल लोक का कोर्ट दोनों ही महत्वपूर्ण हैं। उक्त उद्गार न्यायाधीश ने ब्रह्माकुमारी संस्थान के शांतिवन परिसर में आयोजित न्यायविदों के सम्मेलन में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि कई बार ऐसा होता है कि कई केस बहुत ही उलझे हुए होते हैं, ऐसे में कई बार लोगों की उम्मीदों के खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया होती है। परंतु न्यायिक व्यवस्था संविधान के नियम-कायदों से ही चलती है। इसलिए इन पहलुओं का ध्यान रखना ज़रूरी होता है। उन्होंने आगे कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान का राजयोग ध्यान मनुष्य के जीवन में तरक्की का रास्ता खोलता है। इसलिए हमें जीवन में राजयोग को अपनाने का प्रयास करना चाहिए। संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. मुन्नी दीदी ने कहा कि मेरा मानना है कि सच्चा न्यायविद् होने के लिए हमारे अंदर दया का भाव, क्षमा का भाव और सत्यता की शक्ति होनी चाहिए तभी हम समाज में और समाज के लिए सही निर्णय दे सकते हैं। गुजरात हाईकोर्ट के न्यायाधीश ए.जे. देसाई ने कहा कि हर एक को सुख शांति प्रेम से रहने का अधिकार है, अपनी बात रखने का अधिकार है, खुशी का इज़हार करने का अधिकार है, अपने संस्कार और धर्म के हिसाब से जीने का अधिकार है। ओडिशा हाईकोर्ट के जज एस. पुजारी ने कहा कि जहाँ नारियों को सम्मान और न्याय मिलता है वहां देवता निवास करते हैं। गीता में भगवान कहते हैं जब-जब धर्म की ग्लानि होती है तो मैं इस धरती पर अवतरित होकर अधर्म का विनाश कर सभी के साथ न्याय करता हूँ। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश बी.डी. राठी ने कहा कि न्याय हर किसी की मांग, चाहना और आवश्यकता है। सम्मेलन में न्यायविद् प्रभाग के अध्यक्ष बी.एल. माहेश्वरी ने कहा कि आध्यात्मिकता से ही मनुष्य जीवन का उत्थान होता है। सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील पद्मश्री रोमेश गौतम, प्रभाग की उपाध्यक्षा ब्र.कु. पुष्पा बहन, महिला प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. शारदा बहन व प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. लता बहन ने अपने बहुमूल्य विचार सभी के समक्ष रखे।

ब्रह्माकुमारीज़ का राजयोग मनुष्य के जीवन में तरक्की का रास्ता खोलता है: न्यायाधीश सुनीता यादव

जहाँ नारियों को सम्मान और न्याय मिलता है वहाँ देवता निवास करते हैं : न्यायाधीश एस. पुजारी